भारत सरकार

नागर विमानन मंत्रालय

लोक सभा

मौखिक प्रश्न संख्या : **1832**

दिनांक 11 फरवरी , 2021 / 22 माघ, 1942 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

विलम्बित उड़ानें

1832. श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:

श्री सुधीर गुप्ता:

श्री बिद्युत बरन महतो:

श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:

श्री चंद्रशेखर साहू:

क्या **नागर विमानन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या वर्तमान सर्दियों के मौसम में घने कोहरे के कारण विभिन्न सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के विमान कम्पनियों की अधिसंख्य घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में देरी हो रही है या वे रद्द हो रही है यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त अवधि के दौरान इसके परिणामस्वरूप विभिन्न विमान कम्पनियों को कम्पनी-वार कितनी हानि हुई है;

(ग) क्या देश में ऐसे पायलटों की कमी है जो धुंध के हालात में उड़ान भरने के लिए प्रशिक्षित हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;

(घ) इन उड़ानों को रद्द करने से गंभीर रूप से प्रभावित होने वाले यात्रियों की कुल संख्या कितनी है;

(ङ) क्या आपने वांछित गंतव्य की यात्रा करने वाले इन यात्रियों के लिए कोई वैकल्पिक व्यवस्था की गई थी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) सरकार द्वारा इस संबंध में अन्य क्या कदम उठाए गए/ उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री हरदीप सिंह पुरी)

(क) नवंबर-दिसंबर 2020 की अवधि के लिए अनुसूचित घरेलू एयरलाइनों के संबंध में कोहरे और अन्य कारण सहित मौसम की वजह से देरी से प्रचालित और रद्द उड़ानों की संख्या अनुबंध- I पर उपलब्ध है। जहां तक अनुसूचित वाणिज्यिक अंतर्राष्ट्रीय यात्री उड़ानों का संबंध है, इन्हें दिनांक 22.03.2020 से निलंबित कर दिया गया था और वर्तमान में केवल वंदे भारत मिशन और एयर बबल समझौतों के तहत विभिन्न देशों के लिए अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें प्रचालित की जा रही हैं।

(ख) घने कोहरे के परिणामस्वरूप, एयरलाइनों को अपनी उड़ानों को पुन:अनुसूचित करना पड़ता है और कभी-कभी उड़ानों को रद्द भी करना पड़ता है। यह एयरलाइनों की कार्यक्षमता

पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। घने कोहरे के कारण होने वाले निश्चित नुकसान का मूल्यांकन करना कठिन है।

(ग) देश में कम दृश्यता प्रचालन के लिए स्वीकृत एयरलाइनों के लिए पायलटों की कमी नहीं है।

(घ) नवंबर-दिसंबर 2020 के दौरान उड़ानों के रद्द होने के कारण प्रभावित होने वाले यात्रियों की कुल संख्या इस प्रकार है:

माह.....प्रभावित यात्रियों की संख्या

नवंबर, 2020.....14062

दिसंबर, 2020.....28974

(ड.) उड़ानों में देरी से प्रचालित होने और रद्द होने के कारण एयरलाइनों द्वारा प्रदान की गई क्षतिपूर्ति / सुविधाएं नागर विमानन अपेक्षा (सीएआर), खंड -3, श्रृंखला-एम, भाग- IV के प्रावधानों के अनुसार थीं, जिसमें जलपान, उड़ानों का पुन:अनुसूचन, अन्य एयरलाइनों में अंतरण आदि शामिल हैं।

(च) भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (भाविप्रा)/नागर विमानन महानिदेशालय द्वारा घने कोहरे की स्थिति के दौरान विमानों के टेकऑफ और अवतरण के दौरान विभिन्न एयरलाइनों के समक्ष आने वाली समस्याओं को दूर करने / कम करने के लिए किए गए विभिन्न उपायों में शामिल हैं:-

(i) प्रमुख हवाईअड्डों पर कैट-III उपकरण अवतरण प्रणाली (आईएलएस) को संस्थापित करना ताकि कम दृश्यता / कोहरे के मौसम में प्रचालन हेतु उपयुक्त रूप से सुसज्जित विमान को सक्षम बनाया जा सके।

(ii) उपकरण (आधारित) अवतरण, टेकऑफ और ग्राउंड संचलन के लिए विभिन्न हवाईअड्डों पर रेडियो दिक्चालन सहायक उपकरणों (आईएलएस, वीओआर/डीएमई) की स्थापना और उन्नयन और इस प्रकार कम दृश्यता की स्थितियों में प्रचालन को सुलभ बनाना।

(iii) निरंतर विमान प्रचालनों हेतु और विमान यातायात व्यस्तता व परिणामस्वरूप देरी को दूर करने के लिए, सीएटीएफएम (केन्द्रीय विमान यातायात प्रवाह प्रबंधन) प्रणाली, जो मांग और क्षमता को संतुलित करती है, का संस्थापन नई दिल्ली में किया गया है।

(iv) प्रमुख हवाईअड्डों पर एलवीपी (निम्न दृश्यता प्रक्रियाएं) / एलवीटीओ (निम्न दृश्यता टेक-ऑफ प्रक्रियाएं) शामिल की गई हैं ताकि कोहरे के दौरान निर्बाध और सुरक्षित विमान प्रचालन को सक्षम बनाया जा सके।

(v) हवाईअड्डां पर आरएनपी (अपेक्षित दिक्चालन निष्पादन) एप्रोच व्यवस्था आरंभ की गई है ताकि हवईअड्डों पर निरंतर पहुंच सुलभ हो सके।

(vi) यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोहरे के कारण उड़ान सेवाएं बाधित न हों, नागर विमानन महानिदेशालय ने "अनुसूचित यात्री विमान सेवा प्रचालित करने के लिए परमिट की न्यूनतम अपेक्षा" नामक नागर विमानन अपेक्षा, खंड -3, श्रृंखला-ग, भाग-II जारी किया है। उक्त सीएआर के प्रावधान के तहत, वे प्रचालक जिनके बेड़े में उपयुक्त रूप से प्रशिक्षित/रेटिड पायलटों सहित आईएलएस श्रेणी-IIIक / IIIख से लैस विमान नहीं हैं, वे दिल्ली के लिए/से अपने शीत कोहरा अनुसूची में 1000 बजे से से 2000 बजे तक नियोजित करें ताकि स्वीकृत अनुसूची में व्यवधान से बचा जा सके।

*****

अनुबंध-I

उड़ानों के रद्द होने और देरी से प्रचालिपत होने का एयरलाइन-वार विवरण

एयरलाइंस	रद्द उड़ानों की संख्या		देरी की प्रचालित उड़ानों की संख्या	
	नवंबर -20	दिसंबर -20	नवंबर -20	दिसंबर -20
एअर इंडिया	170	97	333	563
एयर एशिया	22	20	79	229
गो एयर	0	25	303	492
इंडिगो	350	439	283	699
स्पाइसजेट	90	139	260	707
विस्तारा	16	66	113	313